ALL RIGHTS RESERVED
सर्वाधिकार सुरक्षित

49/FG/CC/M–2022–01

2022

GENERAL HINDI

सामान्य हिन्दी

समय : 3 घण्टे | *पूर्णांक* : 100

अनुदेश :

- उपान्त के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।
- **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें।
- परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
- एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जाएँ तथा उनके बीच में अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखें जाएँ।

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग *500* शब्दों में निबंध लिखिए : 30

(क) आज़ादी का अमृत महोत्सव

(ख) स्वच्छ भारत अभियान

(ग) लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

(घ) सोशल मीडिया—वरदान या अभिशाप

(ङ) भारत में खेलों का भविष्य

(च) स्वस्थ भारत—आधुनिक भारत की चुनौती

2. निम्नलिखित अवतरण का **एक-तिहाई** शब्दों में सार लिखते हुए उसका उपयुक्त शीर्षक दीजिए : 15

मनुष्य उत्सव प्रिय होते हैं। उत्सवों का एकमात्र उद्देश्य आनंद प्राप्ति है। यह तो सभी जानते हैं कि मनुष्य अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए आजीवन प्रयत्न करता रहता है। आवश्यकता की पूर्ति होने पर सभी को सुख होता है। पर, उस सुखं और उत्सव के इस आनंद में बड़ा अंतर है। आवश्यकता अभाव सूचित करती है। उससे यह प्रकट होता है कि हममें किसी बात की कमी है। मनुष्य-जीवन ही ऐसा है कि वह किसी भी अवस्था में यह अनुभव नहीं कर सकता कि अब उसके लिए कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। एक के बाद दूसरी वस्तु की चिन्ता उसे सताती ही रहती है। इसलिए किसी एक आवश्यकता की पूर्ति से उसे जो सुख होता है, वह अत्यंत क्षणिक होता है, क्योंकि तुरंत ही दूसरी आवश्यकता उपस्थित हो जाती है। उत्सव में हम किसी बात की आवश्यकता का अनुभव नहीं करते। यही नहीं उस दिन हम अपने काम-काज छोड़कर विशुद्ध आनंद की प्राप्ति करते हैं। यह आनंद जीवन का आनंद है, काम का नहीं। उस दिन हम अपनी सारी आवश्यकताओं को भूलकर केवल मनुष्यत्व का ख्याल करते हैं। उस दिन हम अपनी स्वार्थ-चिन्ता छोड़ देते हैं, कर्तव्य-भार की उपेक्षा कर देते हैं तथा गौरव और सम्मान को भूल जाते हैं। उस दिन हममें स्वच्छंदता आ जाती है। उस रोज हमारी दिनचर्या बिल्कुल नष्ट हो जाती है। व्यर्थ घूमकर, व्यर्थ काम कर, व्यर्थ खा-पीकर हम लोग अपने मन में यह अनुभव करते हैं कि हम लोग सच्चा आनंद पा रहे हैं।

3. निम्नलिखित सभी अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 1×10=10

(क) श्री कृष्ण के अनेको नाम हैं।

(ख) पति-पत्नी के झगड़े का हेतु क्या हो सकता है।

(ग) बंदूक एक बहुत ही उपयोगी शस्त्र है।

(घ) साहित्य और जीवन का घोर संबंध है।

(ङ) मेरे को उस प्रश्न का उत्तर नहीं आता।

(च) मैं गाने की कसरत कर रहा हूँ।

(छ) कई रेलवे के कर्मचारियों की गिरफ्तारी हुई।

(ज) शोक है कि आपने मेरे कई पत्रो का कोई उत्तर नहीं दिया।

(झ) आप यहाँ बैठो।

(ञ) बाघ और बकरी एक घाट पानी पीती है।

4. निम्नलिखित मुहावरे-लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** के अर्थ लिखकर उन्हें वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए : 3×5=15

(क) अधजल गगरी छलकत जाए

(ख) तिल का ताड़ बनाना

(ग) अपनी खिचड़ी अलग पकाना

(घ) आग में घी डालना

(ङ) ईद का चाँद होना

(च) एक आँख से देखना

(छ) अक्ल पर पत्थर पड़ना

(ज) किताब का कीड़ा होना

(झ) खून-पसीना एक होना

(ञ) घर का भेदी लंका ढावे

5. संज्ञा के भेदों का परिचय देते हुए व्यक्तिवाचक संज्ञा और जातिवाचक संज्ञा का अंतर उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

क्रिया की परिभाषा देते हुए उसके भेद सोदाहरण दीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के *दो-दो* पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1×5=5

(क) अग्नि

(ख) अमृत

(ग) आनंद

(घ) नदी

(ङ) मेघ

(च) वृक्ष

(छ) रात

(ज) गंगा

(झ) घर

(ञ) पहाड़

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का संधि-विच्छेद कीजिए और संधि का नाम भी बताइए : 1×5=5

(क) शिवालय

(ख) देवेन्द्र

(ग) दिग्गज

(घ) मनोरथ

(ङ) मनोयोग

(च) मनोविकार

(छ) सरोवर

(ज) गिरीश

(झ) विद्यालय

(ञ) भोजनालय

8. निम्नलिखित शब्दों में समास कीजिए और समास का नाम भी बताइए : 1×5=5

(क) शक्ति के अनुसार

(ख) तीन फलों का समाहार

(ग) जो ब्राह्मण न हो

(घ) नील है कण्ठ जिसका

(ङ) महान बली

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : 1×5=5

(क) आय

(ख) आलोक

(ग) नास्तिक

(घ) निराशा

(ङ) आदान

(च) आचार

(छ) अल्पायु

(ज) अल्पसंख्यक

(झ) अग्रज

(ञ) गगन

★★★